

असाधारग **EXTRAORDINARY**

भाग II —खण्ड 3 — उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार संप्रकाणित

PUBLISHED BY AUTHORITY

मं० 313) नई दिल्ली, बधवार, म्रास्त 1, 1979/भावण 10, 1901 No. 313) NEW DELIII, WEDNESDAY, AUGUST 1, 1979/SRAVANA 10, 1901

इस भाग मी भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के अप मी रखा जासके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

गष्ठ मन्त्रालय

अधिसचना

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 1979

का.आ. 444(अ). - केन्द्रीय सरकार, विधि विष्ट्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह राय होने पर कि ऐसा करना आवश्यक है. ''विधि विरुद्ध कियाकलाएँ (नियारण) अधिकरण' का गठन करती है, जिसमे गौहाटी उच्चे न्यायानय के न्यायाधीश श्री न्यायम् ति एतः इबोतस्वी सिंह होगं।

[फा. ₹. III-14014/12/79 एन . ई. (I)]

कं. बैनजीं, संयक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st August, 1979

S.O. 444(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government, being of opinion that it is necessary so to do, hereby constitutes the "Unlawful Activities (Prevention) Tribunal" consisting of Shri Justice N. Ibotombi Singh, Judge of the Gauhati High Court.

[F. No. III-14014/12/79-NE(I)] K. BANARJI, Jt. Secy.